राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

वर्ष 07 | अंक 09 | मुंबई : बुधवार 31 दिसम्बर 2025 से 05 जनवरी 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

दुकान के बाहर खड़े थे लोग, 'मौत' बनकर आई बस...

बेस्ट बस हादसे का VIDEO आया सामने, देखकर दहल जाएंगे आप...

मुंबई : मुंबई के भांडुप इलाके में सोमवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें बेस्ट की एक तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़े लोगों को टक्कर मार दी। घटना का एक और सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि साड़ी की दुकान के बाहर कुछ लोग बातचीत कर रहे थे। तभी अचानक बस अनियंत्रित होकर भीड़ में घुस गई। कुछ लोग जान बचाने के लिए तेजी से दुकान के अंदर दौड़े, लेकिन कुछ लोग बस की चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। वहीं, नौ लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि रात करीब 9:35 बजे यह घटना भांडुप वेस्ट रेलवे स्टेशन के पास हुई। बेस्ट बस हादसे के संबंध में डीसीपी हेमराज सिंह राजपूत के अनुसार, कुल 13 पैदल यात्री इस घटना में घायल हुए थे, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चार ने दम तोड़ दिया।

बीएमसी चुनाव 2026 में सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी...

मुंबई पुलिस सक्रिय...

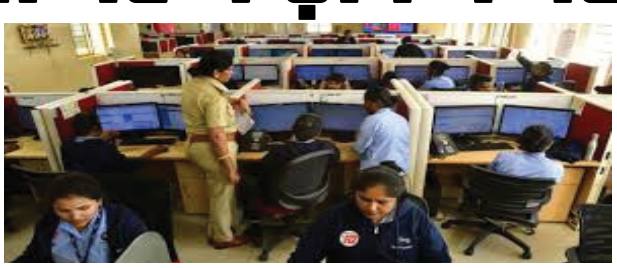

मुंबई : बीएमसी चुनाव अब निर्णायक चरण में पहुंच चुके हैं, जिसके लिए मुंबई पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। मुंबई पुलिस की साइबर सेल विशेष रूप से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व ट्विटर), फेसबुक आदि पर कड़ी नजर रख रही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई संदिग्ध या भ्रामक कंटेंट दिखे तो, उसे तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन, साइबर सेल या हेल्पलाइन पर रिपोर्ट करें। चुनाव प्रचार के दौरान पोस्टर वार, उत्तर भारतीय बनाम मराठी मानूस जैसे विवादास्पद मुद्दे और तेज प्रचार अभियान देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जनरेटेड फर्जी कंटेंट का दुरुपयोग है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार कुछ प्रत्याशी अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ डीप फेक वीडियो, फेक स्पीच, एडिटेड इमेज या एआई-जनरेटेड नेगेटिव कैंपेन चला सकते हैं। जिससे मतदाताओं में भ्रम फैल सकता है और चुनाव की पवित्रता प्रभावित हो सकती है। इसको देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने सभी पुलिस थानों के साइबर सेल को अपने-अपने क्षेत्र में होने वाले प्रचार पर नजर रखने की सख्त हिदायत दी गई है। साथ ही सोशल मीडिया को भी खंगाला जा रहा है।

क्या सावधानियां बरती जा रही हैं?

1. मुंबई पुलिस और साइबर सेल मॉनिटरिंग बढ़ा चुकी हैं।
2. शिकायत पर तुरंत कार्रवाई (IT Act के तहत)।
3. चुनाव आयोग भी डिजिटल प्लेटफॉर्म से सहयोग मांग रहा है फेक कंटेंट हटाने के लिए।
4. जनता से अपील: संदिग्ध कंटेंट की शिकायत करें (साइबर क्राइम पोर्टल या 1930 हेल्पलाइन)।

माहिम वार्ड 190 में कांग्रेस टिकट को लेकर विवाद

बाहरी उम्मीदवार को मौका देने से कार्यकर्ता नाराज

मुंबईः मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी के भीतर टिकट वितरण को लेकर एक और विवाद सामने आया है। माहिम के वार्ड क्रमांक 190, जो एक ओपन वार्ड है, वहां कांग्रेस नेतृत्व द्वारा दयाशंकर यादव को टिकट दिए जाने के बाद पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी देखी जा रही है स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि दयाशंकर यादव कांग्रेस के पुराने या सक्रिय कार्यकर्ता नहीं रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें पार्टी का आधिकारिक टिकट दिया गया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि वर्षों से संगठन के लिए काम करने वाले समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है।

पार्टी कार्यकर्ताओं के अनुसार, वार्ड 190 में कई ऐसे नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे जिन्होंने लंबे समय से कांग्रेस के लिए जमीनी स्तर पर काम किया, लेकिन टिकट वितरण के दौरान उनके दावों पर विचार नहीं किया गया। इससे पार्टी के भीतर असंतोष और हताशा का माहौल बन गया है। कुछ कार्यकर्ताओं ने यह भी दावा किया है कि दयाशंकर यादव और उनके भाई का एक महिला डांस बार व्यवसाय से पूर्व में संबंध रहा है, जो हाल ही में रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के चलते बंद हुआ है।

कार्यकर्ताओं का कहना है कि इस तरह की पृष्ठभूमि वाले व्यक्ति को कांग्रेस जैसा राष्ट्रीय दल टिकट दे, यह सवाल खड़े करता है। हालांकि, इस संबंध में पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। कार्यकर्ताओं ने यह आरोप भी लगाया है कि दयाशंकर यादव को एक बिल्डरों का समर्थन है जिससे स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नागरिकों में असंतोष बढ़ा है। पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि ऐसे मुद्दों पर नेतृत्व को पहले संगठन से जुड़े लोगों की राय लेनी चाहिए थी। टिकट वितरण को लेकर नाराज कार्यकर्ताओं ने मुंबई कांग्रेस नेतृत्व, विशेष रूप से वर्षा गायकवाड़ की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।

कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि पार्टी की सुरक्षित और ओपन सीटों पर बाहरी चेहरों को तरजीह दी जाती रही, तो इससे संगठन की जमीनी ताकत कमजोर होगी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, महिम जैसे संवेदनशील और राजनीतिक रूप से सक्रिय क्षेत्र में टिकट वितरण को लेकर उपजा असंतोष चुनावी रणनीति पर असर डाल सकता है।

BMC चुनाव से पहले मुंबई कांग्रेस में टिकट वितरण पर घमासान...

बाहरी उम्मीदवारों को तरजीह से कार्यकर्ता नाराज

मुंबई : आगामी मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी के भीतर टिकट वितरण को लेकर गंभीर असंतोष उभरकर सामने आया है। यह नाराजगी किसी सहयोगी दल या गठबंधन से जुड़ी नहीं है, बल्कि कांग्रेस की अपनी ही सीटों पर गैर-कांग्रेस सदस्यों या हाल ही में पार्टी की सदस्यता लेने वाले नेताओं को प्रमुख टिकट दिए जाने को लेकर है। कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि वर्षों से संगठन के लिए लगातार काम कर रहे समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर ऐसे चेहरों को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिनका कांग्रेस से जुड़ाव हालिया है या जिनका संगठनात्मक संघर्ष नगण्य रहा है।

पार्टी से जुड़े सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि कार्यकर्ताओं की नाराजगी वंचित बहुजन आघाड़ी (VBA) या किसी अन्य गठबंधन सहयोगी के खिलाफ नहीं है। असंतोष की जड़ पूरी तरह कांग्रेस के अंदरूनी टिकट वितरण के फैसलों में छिपी हुई है, जहां अपनी पारंपरिक और मजबूत सीटों पर बाहरी उम्मीदवारों को तरजीह दी जा रही है।

सोशल मीडिया पर भी इस नाराजगी की गूंज साफ सुनाई दे रही है। फेसबुक पर सामने आए कई कमेंट्स में कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की है और पार्टी नेतृत्व के फैसलों पर सवाल उठाए हैं। एक कांग्रेस समर्थक ने टिप्पणी करते हुए लिखा कि पार्टी के लिए वर्षों तक मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर ऐसे लोगों को टिकट दिए जा रहे हैं जो हाल ही में पार्टी में शामिल हुए हैं। वहीं एक अन्य कमेंट में कहा गया कि केवल सदस्यता लेने से कोई कांग्रेस नेता नहीं बन जाता, इसके लिए जमीन पर संघर्ष और समर्पण जरूरी होता है। टिकट वितरण को लेकर कुछ कार्यकर्ताओं ने मुंबई कांग्रेस नेतृत्व की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि ऐसे फैसले चुनावी समय में पार्टी की एकजुटता और कार्यकर्ताओं के मनोबल को कमजोर कर सकते हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि कांग्रेस नेतृत्व ने समय रहते इस असंतोष को दूर नहीं किया, तो इसका सीधा असर चुनावी रणनीति, बूथ प्रबंधन और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता पर पड़ सकता है। कांग्रेस की पारंपरिक ताकत माने जाने वाले कार्यकर्ता खुद को हाशिये पर महसूस कर रहे हैं।

मुंबई : जनवरी से नवंबर तक मुंबई समेत MMR में 5,508 सड़क हादसों में 1,428 लोगों की चली गई जान...

मुंबई : साल के पहले 11 महीनों में मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में हर दिन कम से कम चार लोगों की सड़क हादसों में मौत हुई, जिससे यह सवाल उठता है: क्या मुंबई के आसपास के कस्बों और शहरों को जगाने वाला विकास का रथ इंसानी कीमत पर असर डाल रहा है? स्टेट ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल जनवरी से नवंबर तक मुंबई समेत MMR में 5,508 सड़क हादसों में 1,428 लोगों की जान चली गई। स्टेट ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल जनवरी से नवंबर तक मुंबई समेत MMR में 5,508 सड़क हादसों में 1,428 लोगों की जान चली गई।

यह 2024 में इसी समय के दौरान 5,448 एक्सीडेंट में 1,403 मौतों और 2023 में 5,450 एक्सीडेंट में 1,376 मौतों से थोड़ी ज्यादा थी।मुंबई (326) के बाद, सबसे दा मौतें नवी मुंबई (257) में हुईं, उसके बाद पालघर (246) का नंबर था। लेकिन, जहां तक एक्सीडेंट की बात है, मुंबई 2,381 के साथ सबसे ऊपर रहा, उसके बाद ठाणे 900 और ठाणे-शहर 745 के साथ दूसरे नंबर पर रहा।भले ही पिछले तीन सालों से ये नंबर काफी हद तक एक जैसे रहे हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स अर्बन प्लानिंग, रोड सेफ्टी में सिस्टम की नाकामियों और हर साल रजिस्टर होने वाली गाड़ियों की संख्या में भारी बढ़ोतरी को लेकर खतरे की घंटी बजा रहे हैं। MMR रीजन में मुंबई, ठाणे, मीरा भयंदर, वसई विरार, नवी मुंबई, पालघर और रायगढ़ के कुछ शहर शामिल हैं। स्टेट ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट के जारी किए गए डेटा से पता चलता है कि मुंबई में हर स्क्वेयर किलोमीटर पर 753 गाड़ियां हैं, और अकेले मुंबई में 15 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड गाड़ियां हैं।गाड़ी चलाने वालों की जान को

खराब सड़कें, ड्राइवर का बर्ताव और गाड़ी की कंडीशन जैसे फैक्टर्स खतरे में डालते हैं। और गहराई से देखने पर, कुछ एक्सपर्ट्स बताते हैं कि सरकार जितना ज्यादा रोड इंफ्रास्ट्रक्चर बनाती है, शहर में उतनी ही ज्यादा गाड़ियां आती हैं। और वे कहते हैं कि इससे एक्सीडेंट का खतरा बढ़ जाता है।वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट में इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट टीम के प्रोग्राम हेड धवल अशर कहते हैं, ''MMR में डेवलपमेंट का आधार पूरे इलाके में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए हाई-स्पीड इंफ्रास्ट्रक्चर है। लेकिन सड़क इस्तेमाल करने वाले बहुत अलग-अलग तरह के लोग होते हैं।

साइकिल, मोटरसाइकिल और पैदल चलने वाले सभी उसी सड़क पर चलते हैं जिस पर तेज रफ़्तार कार या डंपर चलते हैं। यह अलग-अलग तरह का होना, अगर इसके लिए प्लान न बनाया जाए, तो हमेशा एक हाई-रिस्क वाली सिचुएशन बनी रहेगी। हमें इस मौजूदा बदलाव के दौर में, जिसमें हम हैं, सबसे कमजोर सड़क इस्तेमाल करने वालों के लिए प्लान बनाने की जरूरत है।''ड्राइवर का बर्ताव और इंसानी गलती भी इसमें काफी हद तक योगदान दे रही है। मुंबई में जॉइंट पुलिस कमिश्नर (ट्रैफिक) अनिल कुंभारे मानते हैं, ''बहुत सारे ड्राइवर बेसिक ट्रैफिक नियमों को नजरअंदाज करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''कई एक्सीडेंट भारी गाड़ियों या पब्लिक और यूटिलिटी गाड़ियों से होते हैं, जहाँ ड्राइवर अक्सर लापरवाह या अनट्रेंड होते हैं।'' दूसरे एक्सपर्ट सड़कों पर गाड़ियों की संख्या पर रोक लगाने की सलाह देते हैं। यूनाइटेड वे मुंबई, जो पूरे भारत में ग्रामीण और शहरी समुदायों में काम करने वाली एक नॉन-प्रॉफिट संस्था है, के वाइस-प्रेसिडेंट, कम्युनिटी इम्पैक्ट, अजय गोवाले बताते हैं, ''पावरफुल पैसेंजर गाड़ियों, यानी स्वश और सब-SUV की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। लेकिन ड्राइवर ट्रेनिंग, कुशल ड्राइविंग की बढ़ती मांग के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रही है।''गोवाले ने कहा कि एनफोर्समेंट भी कमजोर है, जिससे गाड़ी चलाने वाले ट्रैफिक नियमों को तोड़ने के लिए उकसा रहे हैं। ''पूरे MMR इलाके में, सख्ती से एनफोर्समेंट की काफी गुंजाइश है, जिसमें हेलमेट का इस्तेमाल (पीछे बैठने वालों द्वारा इस्तेमाल सहित), रॉन्ग-साइड ड्राइविंग, कार में सभी लोगों के लिए सीट बेल्ट, कम उम्र में ड्राइविंग, बिना लाइसेंस के ड्राइविंग वगैरह शामिल हैं। नियम तोड़ने वालों में नतीजों का लगभग कोई डर नहीं है।''इसके अलावा, गोवाले ने कहा कि फाइन को असली रोकथाम के लिए बढ़ाया जाना चाहिए। ''पिछले छह सालों में ई-चालान के जरिए लगाए गए फाइन से अभी भी लगभग ₹4,600 करोड़ वसूले जाने बाकी हैं। हम देखते हैं कि टू-व्हीलर, खासकर डिलीवरी बॉय, खुलेआम सिग्नल तोड़ते हैं, फुटपाथ पर गाड़ी चलाते हैं वगैरह, जिससे एक्सीडेंट होते हैं।''

अरावली पर्वतमाला के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय का स्थगन आदेश एक बड़ी लेकिन अस्थायी राहत - आदित्य ठाकरे

मुंबई : शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने अरावली पर्वतमाला से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय के स्थगन आदेश का स्वागत करते हुए इसे ''एक बड़ी लेकिन अस्थायी राहत'' बताया और स्थायी संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यह आशा भी व्यक्त की कि अरावली पर्वतमाला के संरक्षण के प्रयास राष्ट्रव्यापी स्तर पर विस्तारित होंगे, जिससे पूरे भारत में प्रकृति की सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। पर एक पोस्ट में, शिवसेना यूबीटी नेता ने लिखा, ''अरावली पर्वतमाला के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय का स्थगन आदेश एक बड़ी लेकिन अस्थायी राहत है। इसे स्थायी रूप से सील करना महत्वपूर्ण है। यह राजस्थान में नागरिकों के जन आंदोलन के बिना संभव नहीं था, जिन्होंने दिखाया कि हमारे लिए हमारा ग्रह मायने रखता है, न कि ग्रह का शोषण करने वालों के गंदे इरादे।''

''मुझे उम्मीद है कि हम अरावली पर्वतमाला और देश भर की प्रकृति को सबसे मजबूत सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम होंगे। यह भी महत्वपूर्ण है कि हम उस भ्रामक सूचना अभियान के झांसे में न आएं जिसमें कहा जा रहा है कि अरावली पर्वतमाला सुरक्षित है

- यह सरकार के इसे पुनर्परिभाषित करने और बेचने के इरादे से चलाया जा रहा है,'' पोस्ट में आगे कहा गया। सर्वोच्च न्यायालय ने अरावली पहाड़ियों और अरावली पर्वतमाला की केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा दी गई परिभाषा को स्वीकार करने के अपने पहले के फैसले (जो 20 नवंबर को जारी किया गया था) को ''स्थगित'' कर दिया है।

न्यायालय ने केंद्र सरकार और अरावली क्षेत्र के चार राज्यों - राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दायर किए गए मामले पर उनकी प्रतिक्रिया मांगी है। आज सोमवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया और पर्वतीय श्रृंखला के संरक्षण और पुनर्स्थापन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मुंबई : एयर क्वालिटी खराब होने से शहर स्मॉग की चादर में लिपटा

मुंबई : मुंबई में सुबह ऐसी लगी जैसे सर्दी की ठंडी सुबह हो, आसमान साफ नीला था, हल्की हवाएँ चल रही थीं और हवा में ठंडक महसूस हो रही थी। हालाँकि, यह अच्छी सुबह ज्यादा देर तक नहीं रही क्योंकि जल्द ही शहर में स्मॉग की घनी चादर छा गई, जिससे विज़िबिलिटी कम हो गई और एक बार फिर मुंबई में एयर पॉल्यूशन का बढ़ता संकट दिखा। इंडिया मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट के मौसम के अच्छे होने के अनुमान के बावजूद, एयर क्वालिटी शहर की सबसे बड़ी चिंता बन गई। IMD ने 18C और 32C के बीच टेम्परेचर के साथ एक साफ और आरामदायक दिन का अनुमान लगाया था। फिर भी, सुबह-सुबह आने-जाने वालों, पैदल चलने वालों और स्कूली बच्चों को शहर के कई हिस्सों में, खासकर निचले और ज्यादा ट्रैफिक वाले इलाकों में, धुंध और तीखी गंध का सामना करना पड़ा। एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म अदक्वल्ल के डेटा के मुताबिक, सुबह के समय मुंबई का ओवरऑल एयर क्वालिटी इंडेक्स (अदक) 283 था, जो इसे पूरी तरह से 'खराब' कैटेगरी में रखता है। हालांकि यह पिछले महीने के आखिर में दर्ज किए गए 'गंभीर' प्रदूषण के लेवल से थोड़ा बेहतर है, लेकिन एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि हवा अभी भी असुरक्षित है, खासकर बच्चों, सीनियर सिटिजन्स और सांस या दिल की बीमारियों वाले लोगों जैसे कमजोर ग्रुप्स के लिए।

सरकार ने चुनाव से पहले मिल मजदूरों के लिए विवादित हाउसिंग क्लॉज को खत्म कर दिया...

मुंबई : बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव से पहले मुंबई में पूरी तरह चुनावी माहौल है, ऐसे में मिल मजदूरों के घर पर महाराष्ट्र सरकार के नए फैसले को राजनीतिक रूप से एक समझदारी भरा कदम माना जा रहा है, जिससे सत्ताधारी महायुति गठबंधन को फायदा हो सकता है। सोमवार को जारी एक ऑर्डर में, राज्य सरकार ने एक विवादित शर्त को खत्म कर दिया, जिसके तहत मिल मजदूरों या उनके वारिसों को घर के लिए दोबारा अप्लाई करने पर रोक थी, अगर उन्होंने पहले अलॉटेड यूनिट लेने से मना कर दिया था या उसमें कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई थी। यह क्लॉज पिछले साल मार्च में लिए गए एक पॉलिसी फैसले का हिस्सा था और इससे मिल मजदूरों के परिवारों में बहुत गुस्सा था। ऑफिशियल आंकड़ों के मुताबिक, लगभग 1.74 लाख मिल मजदूरों या उनके कानूनी वारिसों ने राज्य स्कीम के तहत घर के लिए अप्लाई किया है।

ये एप्लीकेंट मुंबई की 58 टेक्सटाइल मिलों से जुड़े हैं जिन्हें पिछले कुछ सालों में बीमार या बंद घोषित कर दिया गया था। पॉलिसी के तहत, बेनिफिशियरी ₹15 लाख कीमत वाले 300 sq ft के घर के हकदार हैं, जिसमें राज्य सरकार

₹5.5 लाख की सब्सिडी देगी। मिल मजदूर राजनीतिक रूप से एक अहम वोट बैंक बने हुए हैं, न सिर्फ. उनकी संख्या की वजह से बल्कि हर परिवार के वोटरों के असर की वजह से भी। चुनावी गणित से परे, मुंबई की कपड़ा मिलें शहर के सामाजिक और सांस्कृतिक इतिहास में एक गहरी भावनात्मक जगह रखती हैं, जिससे उनसे जुड़े पॉलिसी फैसले खास तौर पर सेंसिटिव हो जाते हैं।

अब तक, सरकार ने योग्य मिल मजदूरों और उनके वारिसों को 15,870 घर दिए हैं। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, उसने ठाणे ज़िले और रायगढ़ ज़िले में जमीन के टुकड़े देकर प्राइवेट हिस्सेदारी से और घर बनाने का प्रस्ताव रखा था। खबर है कि प्राइवेट डेवलपर्स ने लगभग 80,000 घर बनाने में दिलचस्पी दिखाई है। हालांकि, ज्यादातर एप्लिकेंट लगातार मुंबई में ही घर की मांग कर रहे थे, इसलिए पहले की शर्त से उनमें से एक बड़े हिस्से के अयोग्य होने का खतरा था।

मुंबई : नगर निगम चुनाव के लिए बीजेपी और शिवसेना ने सीटों का बंटवारा फाइनल कर लिया...

मुंबई : 15 जनवरी को होने वाले बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (BMC) चुनावों से पहले, BJP और शिवसेना वाले महायुति गठबंधन ने सीट-शेयरिंग का अपना फॉर्मूला फाइनल कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी (BJP) 137 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शिवसेना 90 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। सोमवार को मुंबई BJP प्रेसिडेंट अमित साटम ने इस समझौते की घोषणा करते हुए कहा कि पार्टनर्स के बीच तालमेल पूरा हो गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह समझौता गहरी बातचीत के बाद हुआ है, जिसमें शिवसेना ने शुरू में 100 सीटों की मांग की थी और BJP ने 75 सीटों की पेशकश की थी। दोनों पार्टियां अपने-अपने गठबंधन पार्टनर्स को उनके दिए गए कोटे से सीटें देकर उन्हें एडजस्ट करने पर भी सहमत हो गई हैं। दोनों पार्टियों के उम्मीदवार मंगलवार को अपना नॉमिनेशन फाइल करेंगे, जो नॉमिनेशन पेपर फाइल करने का आखिरी दिन है। BMCचुनाव बहुत अहम हैं, क्योंकि महायुति गठबंधन भारत की सबसे अमीर सिविक बॉडी पर कंट्रोल बनाए रखना

चाहता है। विपक्षी महा विकास अघाड़ी (MVA) के चुनौती देने की उम्मीद है, क्योंकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने गठबंधन किया है।

जानकारी के मुताबिक, BJP और शिवसेना ने अपनी सीट-शेयरिंग की व्यवस्था को फाइनल कर लिया है, जिसमें BJP 137 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और शिवसेना 90 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। दोनों पार्टियां अपने-अपने कोटे से अपने गठबंधन पार्टनर्स को सीटें देंगी। इस बीच, महाराष्ट्र के डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) BMC चुनाव अलग से लड़ रही है, जिसने अब तक 64 उम्मीदवारों की घोषणा की है। NCP का यह फैसला महायुति लीडरशिप के पवार की पार्टी को मुकाबले से बाहर रखने के फैसले के बाद आया है, जिसमें सिर्फ BJP और शिवसेना ही चुनाव लड़ेंगी।

BMCमें महायुति का दबदबा BJP की अगुवाई वाले महायुति गठबंधन ने आने वाले BMCचुनावों में एक बड़ी जगह बना ली है, और सीट-शेयरिंग डील को फाइनल कर लिया है, जिसके तहत BJP को 137 सीटें और शिवसेना को 90 सीटें मिलेंगी। अलायंस मुंबई की सभी 227 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए राजी हो गया है, जिसमें दोनों पार्टियाँ अपनी कुछ सीटें छोटे अलायंस पार्टनर्स को देंगी। BJP और शिवसेना मिलकर चुनाव प्रचार करेंगे। महायुति अलायंस को उद्धव ठाकरे की लीडरशिप वाली शिवसेना (UBT) और राज ठाकरे की लीडरशिप वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के अपोज़िशन कॉम्बिनेशन से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है।

मुंबईः मुंबादेवी में 'कांटे की टक्कर' के संकेत

मुंबईः मुंबादेवी विधानसभा सीट के सभी पांच वार्ड मुस्लिम बहुल हैं। यहां BJP-शिंदे सेना गठबंधन के साथ-साथ ठाकरे भाइयों को भी वोटों के लिए अपनी कोशिशों को हराना होगा। चूंकि कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ रही है, इसलिए मुंबादेवी में 'कांटे की टक्कर' के संकेत हैं। 2017 के नगर निगम चुनाव में, पांच में से तीन वार्ड में कांग्रेस के उम्मीदवार और दो वार्ड में इखढ के उम्मीदवार चुने गए थे। कांग्रेस के अमीन पटेल पिछले 15 सालों से यहां से विधानसभा का नेतृत्व कर रहे हैं। इसलिए, इस इलाके में

कांग्रेस का दबदबा है। पिछले चुनाव में BJP और एकजुट शिवसेना ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। तब, 220 से अतुल शाह और 221 से आकाश पुरोहित BJP उम्मीदवार चुने गए थे। आकाश पूर्व MLA राज पुरोहित के बेटे हैं। पूर्व BJP पार्षद जनक संघवी उनके विरोधी थे। संघवी का पता कटने के कारण उन्हें कांग्रेस से नामांकन मिला था।

संघवी, जो असल में BJP से हैं और गुजराती और बिजनेस कम्युनिटी से आते हैं, उन्हें लोकल लोगों ने स्वीकार नहीं किया, लेकिन राज पुरोहित ने चुनावी इज्जत का इस्तेमाल करके आकाश को जिताया। हार के बाद संघवी घर लौट आए। इस बार उन्होंने कोलाबा असेंबली सीट के वार्ड नंबर 222 से अपनी कोशिशें शुरू की हैं, जो उनके लिए सेफ है। इस वार्ड में 35 परसेंट वोटर गुजराती और बिजनेस कम्युनिटी से हैं। हालांकि इस चुनाव में शिवसेना के दो ग्रुप बन गए हैं, BJP और शिंदे सेना एक ग्रैंड अलायंस में हैं, जबकि महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस और उद्धव सेना अलग-अलग लड़ रही हैं। इसलिए, यह जानने की उत्सुकता है कि कौन जीतेगा।

वेस्टर्न एक्सप्रेस एक्सीडेंट में ICICI बैंक के डिप्टी मैनेजर की मौत के बाद पुलिस ने बस ड्राइवर को पकड़ा

मुंबई : 26 दिसंबर को मलाड ईस्ट में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर एक सड़क हादसे में ICICI बैंक के एक डिप्टी मैनेजर की मौत हो गई। यह हादसा रात 8 बजे निलायोग टावर के पास हुआ, जब एक प्राइवेट बस ने कथित तौर पर उनकी मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी और उन्हें कुचल दिया। बस ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, कांदिवली वेस्ट के चारकोप के रहने वाले 32 साल के धवल राजपूत बैंक की चांदीवली (अंधेरी ईस्ट) ब्रांच में डिप्टी मैनेजर के तौर पर काम करते थे। वह हर दिन अपनी मोटरसाइकिल से अपने काम की जगह पर जाते थे।

26 दिसंबर को, काम खत्म होने के बाद, राजपूत अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे, तभी लापरवाही से चलाई जा रही एक बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद, राजपूत सड़क पर गिर गए और उनका सिर बस के बाएं पिछले पहिए के नीचे आ गया। डिंडोशी पुलिस की मोबाइल टीम राजपूत को कांदिवली वेस्ट के शताब्दी हॉस्पिटल ले गई, जहां डॉक्टरों ने रात 9.20 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद, पुलिस ने उनके पिता को खबर दी। उनके छोटे भाई नील राजपूत, 22, की शिकायत के आधार पर, डिंडोशी पुलिस ने बस ड्राइवर के खिलाफ लापरवाही से मौत का आरोप लगाते हुए केस दर्ज किया है। आगे की जांच चल रही है।

नकली विला रेंटल रैकेट चलाकर आदमी से ₹1.5 लाख ठगे; लॉ स्टूडेंट गिरफ्तार

मुंबई : वनराई पुलिस ने एक 25 साल के लॉ स्टूडेंट को गिरफ्तार किया है। उस पर आरोप है कि उसने मुंबई के एक प्रोफेशनल से 1.5 लाख रुपये की ठगी करके नकली विला रेंटल रैकेट चलाया। केस के बारे में यह केस तब सामने आया जब गोरेगांव वेस्ट के रहने वाले 28 साल के आदित्य तोशनीवाल एक कंपनी रिट्रीट का इंतजाम कर रहे थे और उन्हें सोशल मीडिया पर लोनावाला में ''ला रिव'' विला का एक ऐड दिखा। आकाश जाधवानी ने निशांत आहूजा बनकर तस्वीरें, विला की डिटेल्स, एक GST नंबर और बैंक की जानकारी शेयर की, और तोशनीवाल को अगस्त में दो दिन की बुकिंग के लिए पूरे पैसे देने के लिए मना लिया। ट्रिप से एक दिन पहले, जाधवानी ने दावा किया कि रिपेयर के काम की वजह से बुकिंग कैंसिल कर दी गई है और एक हफ्ते के अंदर रिफंड का वादा किया। जब पैसे वापस नहीं मिले, और कॉन्टैक्ट नंबर बंद हो गया, तो तोशनीवाल ने जांच की और पाया कि GST नंबर किसी दूसरी होटल चेन का था।

भयंदरः ऑटो-रिक्शा ड्राइवर को चाकू की नोक पर लूटने और कैश और गाड़ी लेकर भागने के आरोप में गिरफ्तार

मीरा-भयंदरः काशीमीरा की क्राइम डिटेक्शन यूनिट-क ने एक 21 साल के आदमी को कथित तौर पर यात्री बनकर एक ऑटो-रिक्शा ड्राइवर को चाकू की नोक पर लूटने और कैश और गाड़ी लेकर भागने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह घटना काशीमीरा इलाके में हुई। घटना 25 दिसंबर की रात को हुई पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता, अनिरुद्ध भागीरथी यादव (23), जो मुंबई के कांदिवली में रहने वाला एक ऑटो-रिक्शा ड्राइवर है, 25 दिसंबर, 2025 की रात को काशीमीरा नाका पर यात्रियों का इंतजार कर रहा था।

मंज़िल कई बार बदली गई आरोपी उसके पास आया और सवारी के लिए कहा और ऑटो-रिक्शा में बैठ गया, और फाउंटेन

होटल के पास छोड़ने के लिए कहा। यात्रा के दौरान, आरोपी ने बार-बार मंज़िल बदली और ड्राइवर को घोड़बंदर गांव की ओर जाने के लिए कहा। सुनसान जगह पर चाकू से धमकाया एक सुनसान जगह पर, आरोपी ने ड्राइवर से पेशाब करने के बहाने गाड़ी रोकने के लिए कहा। फिर उसने कथित तौर पर ड्राइवर को चाकू से धमकाया, उससे ₹4,200 कैश लूट लिए, और जबरदस्ती ऑटो-रिक्शा लेकर भाग गया।

भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज

शिकायत के आधार पर, काशीगांव पुलिस स्टेशन ने 26 दिसंबर को भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) के तहत मामला दर्ज किया। वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश के बाद, क्राइम ब्रांच यूनिट-क काशीमीरा ने भी समानांतर जांच शुरू की। टेक्निकल एनालिसिस से आरोपी की पहचान हुई टेक्निकल एनालिसिस और फील्ड इंटेलिजेंस के जरिए, पुलिस ने आरोपी की पहचान तौहीद आलम मोनीश खान (21) के रूप में की, जो दाचकुल पाड़ा, काशीमीरा, मीरा रोड ईस्ट का रहने वाला है।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे के पास गिरफ्तारी

खास जानकारी मिलने पर कि आरोपी मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर मिराकी होटल के पास होगा, पुलिस ने जाल बिछाया और उसे उस इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने जुर्म कबूल किया पूछताछ के दौरान, आरोपी ने कथित तौर पर जुर्म करने की बात कबूल की। इसके बाद उसे आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए काशीगांव पुलिस स्टेशन में पेश किया गया।

संपादकीय...

जाति निर्धारण पर नई दृष्टि...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

हाल में शीर्ष अदालत के एक निर्णय ने खूब सुर्खियां बटोरीं और इसे एक ऐतिहासिक निर्णय के रूप में उल्लेखित किया गया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जायमाल्य बागची की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने पुडुचेरी की एक नाबालिग लड़की को उसकी मां की जाति के आधार पर अनुसूचित जाति (एससी) प्रमाण पत्र प्राप्त करने की अनुमति दी, भले ही उसके पिता गैर-अनुसूचित जाति समुदाय से थे। पीठ ने टिप्पणी दी कि ह्लमां की जाति उतनी ही महत्वपूर्ण पहचान है, जितनी पिता की।ह्व इस संदर्भ में 5 मार्च, 1964 और 17 फरवरी, 2002 की राष्ट्रपति अधिसूचनाओं को केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशानिदेर्शों के साथ पढ़ने पर यह पता चलता है कि जाति प्रमाण पत्र के लिए पात्रता मुख्य रूप से पिता की जाति और किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर व्यक्ति की आवासीय स्थिति द्वारा निर्धारित की जाती है। उल्लेखनीय है कि याचिकाकर्ता ने यह दावा किया कि था कि उसका पति विवाह के बाद से ही उसके साथ उसके माता-पिता के घर रह रहा है। इस तर्क से इस तथ्य को सुस्पष्ट करना था कि उसके बच्चों ने कभी भी उच्च जाति के कथित सामाजिक लाभों का उपभोग नहीं किया। इससे पूर्व देश की विभिन्न अदालतों ने मां की जाति के इस्तेमाल के संबंध में जब भी निर्णय दिए तो उसका मूलभूत आधार यह रहा कि क्या बच्चे उच्च जाति के सामाजिक एवं सांस्कृतिक लाभों से वंचित रहे। उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय पर तमाम तर्क-वितर्क के साथ अनेक आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। पहली आशंका तो यह है कि इससे आरक्षण व्यवस्था के लाभ के लिए एक नई परंपरा स्थापित हो जाएगी, जिसके दूरगामी नकारात्मक परिणाम सामने आ सकते हैं। इन आशंकाओं को एक सिरे से नकारा नहीं जा सकता, परंतु जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी कहा, ''हम कानून के प्रश्न को खुला रख रहे हैं...। बदलते समय के साथ माता की जाति के आधार पर जाति प्रमाण पत्र क्यों जारी नहीं किया जाना चाहिए?ह्व इस प्रश्न भरे वक्तव्य के गहरे निहितार्थ हैं, परंतु त्वरित रूप से निर्णय पर पहुंचने से पूर्व इस विषय पर एक गहन विमर्श की आवश्यकता है। यह महत्वपूर्ण है कि यह निर्णय इस बात को सामान्य सिद्धांत घोषित नहीं करता कि जाति हमेशा मां के माध्यम से ही विरासत में मिल सकती है। न ही यह निर्णय यह सिद्ध करता है कि मात्र जाति के आधार पर भविष्य में सभी अनुसूचित जाति अथवा जनजाति प्रमाण पत्र दावों को बाध्यकारी रूप से स्वीकार किया जाता रहेगा। इस मामले को अगर समझना है तो हमें उस निर्णय का भी विश्लेषण करना होगा, जो 20 जून, 2025 को बांबे

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

बीएमसी चुनाव 2026: उद्धव सेना ने 55 लोगों को नॉमिनेट किया, किसे मिला AB फॉर्म?

मुंबई : इस बार मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में बहुत टक्कर दिख रही है। म्युनिसिपल चुनाव के लिए MNS और उद्धव सेना ने गठबंधन किया है। दूसरी तरफ, इखढ ने भी शिंदे सेना को साथ लिया है। इसलिए, दोनों तरफ से तैयारियां चल रही हैं, और धोखाधड़ी रोकने के लिए, पॉलिटिकल पार्टियों ने बिना कैंडिडेट अनाउंस किए अइ फॉर्म देने का तरीका अपनाया है। खबर है कि उद्धव सेना की तरफ से 55 लोगों को नॉमिनेशन पेपर दिए गए। इसमें नेताओं के बच्चे भी शामिल हैं।

मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावः उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की MNS ने मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। हालांकि दोनों पार्टियों को सीटें बांट दी गई हैं, लेकिन दोनों पार्टियों ने सीटों का अनाउंसमेंट नहीं किया है। इसके बाद, कैंडिडेट को सीधे अइ फॉर्म दिए जाने लगे हैं। जिन कुछ कैंडिडेट को अइ फॉर्म दिए गए हैं, उनके नामों पर अभी चर्चा हो रही है। अब तक पता चला है कि उद्धव सेना की तरफ से 55 कैंडिडेट को AB फॉर्म दिए गए हैं।

उद्धव सेना के उम्मीदवारों को अइ फॉर्म दिया गया 1) डिवीजन नंबर 1 - फोरम परमार 2) वार्ड नंबर 2 - धनश्री कोलगे 3) वार्ड नंबर 3 - रोशनी गायकवाड़ 4) डिवीजन नंबर 5 - सुजाता पाटेकर 5) वार्ड नंबर 16 - स्वाति बोरकर 6) वार्ड नंबर 26 - धर्मेंद्र काले 7) वार्ड नंबर 29 - सचिन पाटिल 8) वार्ड नंबर 40 - सुहास वाडकर 9) डिवीजन नंबर 49 - संगीता सुतार 10) डिवीजन नंबर 54 - अंकित प्रभु 11) वार्ड नंबर 57 - रोहन शिंदे 12) वार्ड नंबर 59 - शैलेश फांसे

13) वार्ड नंबर 60 - मेघना विशाल काकड़े माने 14) डिवीजन नंबर 61 - सेजल दयानंद सावंत 15) डिवीजन नंबर 62 - जीशान चंगेज मुल्तानी 16) वार्ड नंबर 63 - देवेंद्र (बाला) अंबरकर 17) वार्ड नंबर 64 - सबा हारून खान 18) वार्ड नंबर 65 - प्रसाद आयरे 19) वार्ड नंबर 89 - गीतेश राउत 20) वार्ड नंबर 93 - रोहिणी कांबले 21) डिवीजन नंबर 95 - हरि शास्त्री 22) डिवीजन नंबर 100 - साधना वरस्कर 23) डिवीजन नंबर 105 - अर्चना चौरे 24) वार्ड नंबर 111 - दीपक सावंत

25) वार्ड नंबर 117 - श्वेता पावस्कर 26) वार्ड नंबर 118 - सुनीता जाधव 27) वार्ड नंबर 120 - विश्वास शिंदे 28) वार्ड नंबर 123 - सुनील मोरे 29) डिवीजन नंबर 124 - सकीना शेख 30) डिवीजन नंबर 125 - सतीश पवार 31) वार्ड नंबर 126 - शिल्पा भोसले 32) वार्ड नंबर 127 - स्वरूपा पाटिल 33) वार्ड नंबर 130 - आनंद कोठावड़े 34) वार्ड नंबर 132 - क्रांति मोहिते 35) डिवीजन नंबर 134 - सकीना बानू 36) डिवीजन नंबर 135 - रिव्यू नैरे 37) वार्ड नंबर 137 - महादेव आंबेकर 38) वार्ड नंबर 138 - अर्जुन शिंदे 39) वार्ड नंबर 141 - विट्ठल लोकरे 40) वार्ड नंबर 142 - सुनंदा लोकरे 41) वार्ड नंबर 148 - प्रमोद शिंदे 42) वार्ड नंबर 150 - सुप्रदा फतरपेकर 43) वार्ड नंबर 153 - मीनाक्षी पाटनकर 44) डिवीजन नंबर 155 - स्नेहल शिवकर 45) डिवीजन नंबर 156 - संजना संतोष कासले 46) वार्ड नंबर 164 - साईनाथ साधु कटके 47) वार्ड नंबर 167 - सुवर्णा मोरे 48) वार्ड नंबर 168 - सुधीर खाटू वार्ड 49) वार्ड नंबर 206 - सचिन पडवाल 50) वार्ड नंबर 208 - रमाकांत रहाटे 51) डिवीजन नंबर 210 - सोनम जमसुतकर 52) डिवीजन नंबर 215 - किरण बालसरफ 53) वार्ड नंबर 218 - गीता अहिरेकर 54) वार्ड नंबर 222 - संपत ठाकुर 55) वार्ड नंबर 225 - अजिंक्य धात्रक

मुंबई : मेट्रो लाइन-3 की खास नाइट सर्विस; 1 जनवरी 2026 की सुबह 5:55 बजे तक लगातार चलती रहेगी

मुंबई : नए साल का जश्न मनाने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एमएमआरसी) ने घोषणा की है कि मेट्रो लाइन-3 (एक्वा लाइन) नए साल पर पूरी रात चलेगी। यानी न्यू ईयर पर बाहर घूमने, पार्टी करने या दोस्तों-रिश्तेदारों से मिलने वालों को अब जल्दी घर लौटने की टेंशन नहीं होगी। एमएमआरसी के मुताबिक, 31 दिसंबर की रात 10:30 बजे के बाद से यह खास नाइट सर्विस शुरू होगी और 1 जनवरी 2026 की सुबह 5:55 बजे तक लगातार चलती रहेगी। इसके बाद सुबह 5:55 बजे से मेट्रो की नियमित सेवाएं फिर से शुरू हो जाएंगी। यह व्यवस्था खास तौर पर नए साल के मौके पर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखकर की गई है।

हर साल 31 दिसंबर की रात मुंबई में जश्न का माहौल रहता है। लोग देर रात तक बाहर रहते हैं, अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रम होते हैं और सड़कों पर भीड़ बढ़ जाती है। ऐसे में पब्लिक ट्रांसपोर्ट का मिलना बहुत जरूरी हो जाता है। एमएमआरसी की यह पहल उन सभी लोगों के लिए राहत लेकर आई है जो ट्रैफिक, पार्किंग या देर रात सुरक्षित सफर को लेकर चिंता करते हैं। एक्वा लाइन मुंबई की एक अहम मेट्रो लाइन है, जो शहर के कई महत्वपूर्ण इलाकों को जोड़ती है। पूरी रात मेट्रो चलने से न सिर्फ जश्न मनाने वालों को फायदा होगा, बल्कि नाइट शिफ्ट में काम करने वाले लोग, होटल स्टाफ, सुरक्षा कर्मी, और इमरजेंसी सेवाओं से जुड़े कर्मचारी भी आसानी से यात्रा कर सकेंगे। एमएमआरसी ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपनी यात्रा की पहले से योजना बनाएं और मेट्रो सेवाओं का सही तरीके से इस्तेमाल करें। साथ ही, यात्रियों से यह भी कहा गया है कि वे स्टेशन पर नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करें। नए साल की शुरूआत को और भी खास और आसान बनाने के लिए एमएमआरसी का यह कदम काफी सराहनीय है।

68 साल की महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 3 करोड़ 71 लाख रुपए की ठगी

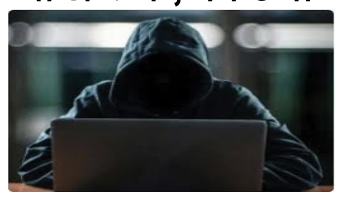

मुंबई : अंधेरी पश्चिम इलाके में रहने वाली 68 साल की महिला को डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगों ने उससे 3 करोड़ 71 लाख रुपए की ठगी कर ली। वारदात को बेहद शातिराना ढंग से अंजाम देने के लिए एक आरोपी ने अपनी पहचान पूर्व सीजेआई डी. वाई. चंद्रचूड़ के रूप में दी। पीड़ित महिला पिछले 26 साल से अंधेरी पश्चिम के वीर देसाई रोड इलाके में रह रही है। 18 अगस्त 2025 को एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस से जुड़े होने की बात कही। इसके बाद अलग-अलग मोबाइल नंबरों से महिला को व्हाट्सएप वीडियो कॉल आने लगे।

महिला से कहा गया कि उनके आधार कार्ड से मनी लॉन्ड्रिंग की जा रही है। वीडियो कॉल पर एक व्यक्ति ने दावा किया कि महिला के आधार कार्ड का दुरुपयोग कर कैनरा बैंक में फर्जी खाता खोला गया है और उसमें 6 करोड़ रुपए के अवैध लेनदेन हुए हैं। आरोपियों ने कहा कि इस मामले में महिला के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज है और कभी भी गिरफ्तारी हो सकती है। जब महिला ने साफ कहा कि उनका केनरा बैंक में कोई खाता नहीं है, तो आरोपियों ने एक इसके बाद आरोपियों ने कहा कि लीगल साबित करने के लिए सभी रकम वेरिफिकेशन के लिए जमा करनी होगी। महिला को म्यूचुअल फंड रिडीम करने और आरटीजीएस के जरिए अलग-अलग खातों में पैसे भेजने के निर्देश दिए गए। डर और दबाव में आकर महिला ने अपने आईडीएफसी बैंक खातों से चार अलग-अलग ट्रांजैक्शन में कुल 3 करोड़ 71 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। पैसे मिलने के बाद ठगों ने कॉल काट दिया और बाद में दोबारा और पैसे मांगने लगे, तभी महिला को ठगी का अहसास हुआ।

पीड़िता ने सभी चैट्स, कॉल डिटेल्स, ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड और बैंक स्टेटमेंट के साथ साइबर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने 1930 साइबर हेल्पलाइन पर भी शिकायत की। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले को डिजिटल अरेस्ट साइबर फ्रॉड मानते हुए जांच कर रही है। आरोपियों ने अलग-अलग मोबाइल नंबरों से संपर्क कर खुद को पुलिस, सीबीआई अधिकारी और जज बताकर महिला को मानसिक दबाव में लिया और करोड़ों की ठगी को अंजाम दिया।

बांद्रा ईस्ट में बिना जरूरी परमिशन के एरियल फिल्मिंग की...

कंस्ट्रक्शन साइट पर ड्रोन चलाने वाले कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ केस दर्ज

मुंबई : खेरवाड़ी पुलिस ने बांद्रा ईस्ट में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर ड्रोन चलाने वाले एक कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ केस दर्ज किया। आरोप है कि उसने बिना जरूरी परमिशन के एरियल फिल्मिंग की। यह साइट शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री से करीब 55 मीटर दूर है। इडउ टेन कंस्ट्रक्शन साइट पर ड्रोन देखा गया पुलिस के मुताबिक, मातोश्री के पास BKC टेन बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन साइट पर शाम करीब 7 बजे ड्रोन को फुटेज लेते देखा गया। पुलिस ने कन्फर्म किया कि ऑपरेटर ने वीडियो शूट करने के लिए कोई ऑफिशियल क्लीयरेंस नहीं ली थी, जिसका मकसद एडवरटाइजिंग करना था।

FIR उन अलर्ट रहने वालों और लोकल लोगों की शिकायतों के बाद दर्ज की गई, जिन्होंने सबसे पहले बिना इजाजत के ड्रोन एक्टिविटी देखी थी। मातोश्री के सिक्योरिटी कर्मचारियों ने भी सेंसिटिव जगह के पास डिवाइस देखकर पुलिस को इन्फॉर्म किया। प्रोजेक्ट प्रमोशन के लिए फिल्मिंग बाद की जांच में पता चला कि कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट की मार्केटिंग के लिए फिल्मिंग की गई थी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''यह इलाका बहुत सेंसिटिव है, और बिना परमिशन के ड्रोन उड़ाना गैर-कानूनी है।'' नोटिस जारी, जांच जारी पुलिस अधिकारी ने आगे कहा, ''हमने ड्रोन ऑपरेटर को नोटिस जारी किया है और फिल्माए जा रहे प्रमोशनल मटीरियल के खास कंटेंट और मकसद का पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं।''

शहर का कुल एयर क्वालिटी इंडेक्स चिंताजनक;

वडाला ट्रक टर्मिनल सबसे ज्यादा प्रभावित

मुंबई : मुंबई में शुक्रवार सुबह सर्दी की ताजगी महसूस हुई, क्योंकि साफ आसमान, ठंडी हवाएँ और हल्के तापमान ने लोगों के दिन की अच्छी शुरूआत की। इंडिया मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने कहा कि तापमान कम से कम 18त्ड और ज्यादा से ज्यादा 33त्ड के बीच रहने की उम्मीद है, जिससे यह इस मौसम के सबसे आरामदायक सर्दियों के दिनों में से एक बन जाएगा। कुल एयर क्वालिटी इंडेक्स खराब रेंज में हालांकि, एकदम सही दिखने वाले मौसम ने पर्यावरण की बढ़ती चिंता को छिपा दिया। शहर के बड़े हिस्सों पर धुंध की एक पतली परत छाई हुई थी, जो मुंबई के एयर पॉल्यूशन से लगातार जूझने को दिखाती है। एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म अदक्वल्ल के डेटा के मुताबिक, शुक्रवार सुबह शहर का कुल एयर क्वालिटी इंडेक्स चिंताजनक 277 पर था, जिससे यह पूरी तरह से 'खराब' कैटेगरी में आ गया।

हालांकि हाल के हफ्तों में दर्ज कुछ बहुत ज्यादा रीडिंग की तुलना में एयर क्वालिटी इंडेक्स में थोड़ा सुधार दिखा, लेकिन पॉल्यूशन का लेवल खतरनाक बना हुआ है, खासकर बच्चों, सीनियर सिटिजन्स और सांस या दिल की बीमारियों से जूझ रहे लोगों जैसे कमजोर ग्रुप्स के लिए। हवा की खराब क्वालिटी की मुख्य वजह मुंबई में लगातार हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार से पैदा हुई धूल और छोटे पार्टिकल्स हैं। चल रहे सरकारी प्रोजेक्ट्स, जिनमें मेट्रो रेल कॉरिडोर, कोस्टल रोड कंस्ट्रक्शन, फ्लाईओवर, पुल और बड़े पैमाने पर सड़क चौड़ी करने का काम शामिल है, और साथ ही प्राइवेट रियल एस्टेट डेवलपमेंट भी तेजी से हो रहा है, जिससे हवा में बड़ी मात्रा में धूल फैल रही है। पीक ट्रैफिक के समय गाड़ियों से निकलने वाला धुआं इस समस्या को और बढ़ा देता है।

कई इलाकों में हवा की क्वालिटी खराब इलाके के हिसाब से एयर क्वालिटी इंडेक्स डेटा से शहर भर में बहुत ज्यादा अंतर देखने को मिला। वडाला ट्रक टर्मिनल सबसे ज्यादा प्रभावित जोन बना, जहाँ एयर क्वालिटी इंडेक्स 384 रिकॉर्ड किया गया, जिसे 'खराब' कैटेगरी में रखा गया। ऐसे लेवल से सेहतमंद लोगों के लिए भी गंभीर हेल्थ रिस्क पैदा होता है। चेंबूर (332) और वर्ली (328) में भी हवा की क्वालिटी खराब बताई गई, जबकि बांद्रा ईस्ट और देवनार में एयर क्वालिटी इंडेक्स रीडिंग क्रमशः 324 और 321 दर्ज की गई, जो गंभीर रेंज में हैं। सबअर्बन इलाकों का हाल थोड़ा बेहतर रहा, हालाँकि हवा की क्वालिटी ठीक-ठाक नहीं रही। कांदिवली पूर्व और बोरीवली पूर्व में एक्यूआई का स्तर 143 और 157 दर्ज किया गया, जबकि बोरीवली पश्चिम में 167 रहा।

सोसाइटी के अंदर जानवरों को खाना खिलाने पर अचानक लगाए गए बैन को हटा लिया

मुंबई : मीरा रोड की एक हाउसिंग सोसाइटी ने सोसाइटी के अंदर जानवरों को खाना खिलाने पर अचानक लगाए गए बैन को हटा लिया है, जो जानवरों के अधिकारों और स्थानीय वॉलंटियर्स के लिए एक बड़ी जीत है। यह कदम मीरा भयंदर नगर निगम और जिला पशुपालन विभाग के दो कड़े नोटिस के बाद उठाया गया है, जिन्होंने सोसाइटी के कामों को गैर-कानूनी और क्रूर बताया था।

मुंबई : नकली पास का इस्तेमाल; व्यक्ति पर केस दर्ज

मुंबई : नकली लोकल ट्रेन पास इस्तेमाल करने के आरोप में एक व्यक्ति पर रेलवे ने केस दर्ज किया। यह घटना 25 दिसंबर को दोपहर करीब 12:45 बजे हुई, जब टिकट एग्जामिनर बायकुला रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म 1 के मेन गेट के पास रूटीन चेकिंग कर रहे थे। जब उनसे अपना टिकट दिखाने के लिए कहा गया, तो आरोपी, जिसकी पहचान आदिल अंसार खान के तौर पर हुई, ने अपने आईफोन 13 प्रो पर एक फोटो के तौर पर दिखाया गया रेलवे पास दिखाया।

नॉन-यूटीएस पास पर शक

अधिकारियों को शक हुआ क्योंकि पास ऑफि शियल यूटीएस मोबाइल एप्लिकेशन पर नहीं दिखाया गया था। इसके बाद खान को आगे की वेरिफि केशन के लिए टिकट चेकिंग ऑफि स ले जाया गया। बाद में सीनियर रेलवे अधिकारियों ने कन्फर्म किया कि पास ऑफि शियल क्राइटेरिया को पूरा नहीं करता था और नकली था। कथित तौर पर चैटजीपीटी का इस्तेमाल करके पास बनाया गया जांच में पता चला कि मुंब्रा का रहने वाला खान, जो छोटे-मोटे काम करता है, ने कथित तौर पर एक दोस्त से गाइडेंस मिलने के बाद चैटजीपीटी का इस्तेमाल करके एक महीने का पास बनाया था। जाली पास पर 24 नवंबर से 25 दिसंबर तक मुंब्रा और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के बीच यात्रा का दावा किया गया था, जिसका किराया 215 रुपये था। पुलिस ने कहा कि खान ने कथित तौर पर इस दौरान नकली पास का इस्तेमाल किया।

बड़े तस्करी रैकेट का भंडाफोड़;

गिरोह के 10 लोग गिरफ्तार

मुंबई : महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने 10 लोगों के एक गिरोह को गिरफ्तार कर एक बड़े तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। आरोपियों के पास से बड़ी संख्या में महंगे फोन और ब्रांडेड सौंदर्य प्रसाधन बरामद किए गए हैं। डीआरआई ने बताया कि आरोपियों के पास से 287 महंगे आईफोन (आईफोन 17 प्रो मैक्स और आईफोन 17 प्रो मॉडल), 2,532 'गोरी' ब्रांड और 407 'चांदनी' ब्रांड की स्किन क्रीम (पाकिस्तान में निर्मित), 15 रिफर्बिश्ड लैपटॉप, 13.5 किलोग्राम केसर और एक रोलेक्स घड़ी जब्त की गई है, जिनकी कुल कीमत 5.2 करोड़ रुपए है। विशेष सूचना के आधार पर डीआरआई ने दुबई से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे 10 लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की तलाशी ली गई थी, और खरीद-बेच के लिए ले जाई जा रही ये चीजें सामने आईं। गिरफ्तार किए गए 10 व्यक्तियों में से कुछ आरोपियों की पहचान अरमान कुरैशी, गुलफाम अहमद, अमान बुखारी, मुस्तफा चौहान, अब्दुल चौहान और इमरान हुसैन के रूप में हुई। डीआरआई ने उनके सामान की तलाशी ली और उनसे 3.38 करोड़ रुपए मूल्य के 287 आईफोन और 9.26 लाख रुपए मूल्य की 2,532 पाकिस्तानी मूल की सौंदर्य प्रसाधन क्रीम बरामद कीं।

आरोपी बरामद माल पर वैध कब्जे को दर्शाने वाला कोई भी कानूनी दस्तावेज पेश नहीं कर सके। इससे पहले बुधवार को गुजरात के अहमदाबाद में ड्रग्स के खिलाफ पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। क्राइम ब्रांच और स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) ने पिछले हफ्ते शहर भर में कई हाई-इंटेंसिटी रेड्स की। इसका मकसद ड्रग्स के नेटवर्क को पूरी तरह से तोड़ना और ड्रग्स की तस्करी और इस्तेमाल दोनों पर 'जीरो टॉलरेंस' नीति लागू करना है। इन ऑपरेशनों में छोटे और बड़े हर स्तर के सप्लाई चेन को निशाना बनाया गया। पिछले सात दिनों में इस संयुक्त अभियान के तहत 21 नए मामले दर्ज किए गए और 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन रेड्स में कुल जब्ती का मूल्य 1 करोड़ रुपए से ज्यादा है। मुख्य रूप से मेफेड्रोन (एमडी), गांजा और चरस जब्त किए गए। यह कार्रवाई सिर्फ ड्रग्स के भौतिक कब्जे तक सीमित नहीं है।

कांदिवली-बोरीवली सेक्शन पर छठी लाइन का काम पूरा करने के लिए 30 दिनों का ब्लॉक...

मुंबई : कांदिवली-बोरीवली सेक्शन पर छठी लाइन का काम पूरा करने के लिए 30 दिनों का ब्लॉक लिया जा रहा है। यह ब्लॉक 20/21 दिसंबर से शुरू हो चुका है और 18 जनवरी, 2026 तक जारी रहेगा। इसी कड़ी में 27 और 28 दिसंबर को 531 लोकल सेवाएं कैंसल रहेंगी। रद्दीकरण 26 की रात से ही शुरू हो गया है। शनिवार को 296 और रविवार को 235 लोकल रद्द रहेंगी। वहीं कई एक्सप्रेस ट्रेनों के शेड्यूल में भी बदलाव आएगा, जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। लोकल ट्रेनों के रद्द रहने से और जरूरत पड़ने पर बेस्ट अपनी बस सेवाएं बढ़ाएगा। वेस्टर्न रेलवे ने इस संबंध में बेस्ट को पत्र लिखा था।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार बोरीवली में अप ऐंड डाउन स्लो लाइनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग पैनल के कमीशनिंग कार्य के लिए 27 एवं 28 दिसंबर को एक मेजर नॉन-इंटरलॉकिंग ब्लॉक लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त 28 दिसंबर की मध्यरात्रि तक कांदिवली और दहिसर के बीच डाउन फास्ट लाइन पर स्पीड रिस्ट्रिक्शन भी लागू किया जाएगा। इस ब्लॉक के कारण कुछ उपनगरीय सेवाएं निरस्त रहेंगी और कुछ बोरीवली-अंधेरी लोकल ट्रेनें गोरेगांव तक ही चलाई जाएंगी।

एक्सप्रेस ट्रेनों पर भी असर

ब्लॉक के दौरान 2 अप और डाउन ट्रेनें (नंदुरबार-बोरीवली एक्सप्रेस और अहमदाबाद एक्सप्रेस) बोरीवली के बजाय वसई में शार्ट टर्मिनेट और ऑरिजनेट होंगी। इसके साथ ही बोरीवली-वलसाड के बीच चलने वाली मेमू ट्रेन दहानु से शुरू और एक्सप्रेस ट्रेनों पर भी पड़ेगा असर खत्म होगी। वहीं 28 को बोरीवली- दहानू मेमू कैंसिल रहेंगी। साथ ही 7 अप और 10 डाउन शेड्यूल रहेंगी।

कर्नाटक में नेतृत्व की रार: डीके शिवकुमार का सत्ता के स्थायित्व पर प्रहार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजनीति में फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान तेज हो गई है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा हाल ही में दिए बयानों ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया गुट में हलचल पैदा कर दी है। कांग्रेस स्थापना दिवस के मौके पर शिवकुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सत्ता स्थायी नहीं होती, इस बयान को सीधे तौर पर सिद्धारमैया के लिए एक कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है। डिप्टी सीएम शिवकुमार ने इतिहास का हवाला देकर कहा कि सिकंदर महान और सद्दाम हुसैन जैसे शक्तिशाली लोग भी हमेशा के लिए नहीं रहे। उनके इस बयान के पीछे दो प्रमुख संकेत छिपे हैं। जहां शिवकुमार यह जताना चाहते हैं कि ढाई साल का कार्यकाल (मिड-टर्म) पूरा होने के बाद अब नेतृत्व परिवर्तन का समय आ गया है। उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद कहा कि वे केवल भाषण देने वाले नेता नहीं हैं, बल्कि उन्होंने पार्टी के लिए जमीनी स्तर पर काम किया है। यह सिद्धारमैया की तुलना में खुद को अधिक निष्ठावान पार्टी कैडर दिखाने की कोशिश है। 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद से ही सत्ता-साझाकरण समझौते की चर्चाएं जोरों पर हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के मुख्यमंत्री पद का गुप्त समझौता हुआ था। मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि वे अपना पांच साल का पूरा कार्यकाल निभाएंगे। उन्होंने हाल ही में एक गुप्त समझौते की ओर इशारा किया है, हालांकि उन्होंने इसके विवरण साझा नहीं किए। भले ही दोनों नेता कैमरे के सामने एकजुट होने का दावा करते हों, लेकिन शिवकुमार की टिप्पणियां साफ करती हैं कि कांग्रेस के अंदर सब कुछ ठीक नहीं है। नेतृत्व के इस भ्रम से शासन व्यवस्था और पार्टी की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। अब सबकी निगाहें कांग्रेस आलाकमान पर टिकी हैं कि क्या वे 2026 की शुरुआत में किसी बड़े बदलाव की अनुमति देगा या यथास्थिति बनाए रखेगा।

संघ की तारीफ पर राहुल गांधी ने दिग्विजय से दो टूक कहा- ये आपने ठीक नहीं किया

गुवाहाटी (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की तारीफ करने को लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर चुटकी ली है। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान यह वाकया सामने आया, जहां राहुल गांधी ने दिग्विजय सिंह से मुलाकात के दौरान उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

सूत्रों के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान जब दोनों नेता आमने-सामने आए, तो राहुल गांधी ने दिग्विजय सिंह से हाथ मिलाते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, कल आपने गलत व्यवहार कर दिया। राहुल गांधी की इस टिप्पणी को सुनकर वहां मौजूद सोनिया गांधी और अन्य वरिष्ठ नेता अपनी हंसी नहीं रोक पाए। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच कुछ देर तक चर्चा भी हुई।

विवाद की शुरुआत 27 दिसंबर को हुई, जब दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी नजर आ रहे हैं। तस्वीर साझा करते हुए दिग्विजय सिंह ने आरएसएस और भाजपा के अनुशासन की सराहना की थी। उन्होंने लिखा था कि यह बहुत प्रभावशाली है कि कैसे एक जमीनी स्वयंसेवक और कार्यकर्ता, नेताओं के चरणों में फर्श पर बैठकर देश का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बन जाता है। उन्होंने इसे संगठन की असली ताकत बताया था।

पार्टी के भीतर तीखी प्रतिक्रिया दिग्विजय सिंह के इस बयान ने कांग्रेस के भीतर हलचल मचा दी। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्थापना दिवस के संबोधन में बिना नाम लिए अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने कभी संविधान और धर्मनिरपेक्षता से समझौता नहीं किया है। वहीं, अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। नेताओं का कहना था कि कांग्रेस को गांधी के हत्यारे की विचारधारा वाले संगठन से कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है। कुछ सांसदों ने तो इसकी तुलना चरमपंथी संगठनों से करते हुए कहा कि नफरत फैलाने वाली विचारधारा से प्रेरणा नहीं ली जा सकती। दिग्विजय सिंह ने दी सफाई विवाद बढ़ता देख दिग्विजय सिंह ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आरएसएस

और प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के घोर विरोधी हैं, उन्होंने केवल संगठन चलाने की कार्यशैली की बात की थी। सिंह ने जोर देकर कहा कि नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस की विचारधारा के प्रति उनकी निष्ठा अटूट है और भाजपा विपक्षी एकजुटता में दरार पैदा करने की कोशिश कर रही है।

बीएमसी चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी की 66 उम्मीदवारों की पहली सूची

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में बीएमसी चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने पहली सूची जारी कर दी है। चुनाव में भाजपा बीएमसी की 227 सीटों में से 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, शिंदे की सेना 87 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बीजेपी ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव के लिए अपने 66 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। ये चुनाव अगले साल जनवरी में होने हैं। महायुति के नेतृत्व वाली भाजपा राज्य में हाल ही में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में मिली सफलता से उत्साहित है और नगर निगम चुनावों में भी उसी प्रदर्शन को दोहराना चाहती है। भाजपा, उपमुख्यमंत्री शिंदे की शिवसेना के साथ गठबंधन में बीएमसी चुनाव लड़ रही है। भाजपा बीएमसी की 227 सीटों में से 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, शिंदे की सेना 87 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लगातार शिवसेना का समर्थन करते रहे हैं और उन्होंने भाजपा नेताओं को शिंदे की पार्टी पर हमला न करने का निर्देश भी दिया था। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था, भाजपा और शिवसेना एकजुट हैं। सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। हमें औपचारिक रूप से गठबंधन की घोषणा करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि महायुति आगामी मुंबई नगर निगम चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा था, मुंबई नगर निगम में महायुति सरकार बनाने और अंधकार छंटेगा, सूर्य उदय होगा और कमल खिलेगा के नारे को साकार करने का संकल्प है। यह चुनाव नगर निकाय में पारदर्शी और ईमानदार शासन स्थापित करने के उद्देश्य से लड़ा जा रहा है।

बंद करो पूरा व्यापार, भारत के तगड़े ऐलान से घुटनों पर आया बांग्लादेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश एक के बाद एक अपनी सारी हदें पार करता जा रहा है। दरअसल शायद बहुत ही कम लोग जानते हैं कि बांग्लादेश की पूरी जूट इंडस्ट्री असल में भारत के कंधों पर चलती है। जूट की खेती के लिए बांग्लादेश पूरी तरह भारत पर निर्भर है। हाई क्वालिटी, हाई यल्डिंग और डिसीज रेजिस्टेंट जूट के बीज भारत एक्सपोर्ट करता है। भारत ही इन्हीं बीजों से पैदा हुई बांग्लादेशी जूट बड़ी मात्रा में वापस खरीदता है। जिस हाथ से बीज खरीदा उसी हाथ को काटने की कोशिश की गई। यहां सबसे बड़ा विरोधाभास है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा जूट उत्पादक देश है। सालाना उत्पादन 2 मिलियन टन है। भारतीय मिल्स, भारतीय फैक्ट्रियां, बांग्लादेशी जूट पर बड़े स्तर पर निर्भर हो चुकी हैं। और इसका फायदा उठाते हुए सितंबर 2025 में बांग्लादेश ने भारत के लिए रॉ जूट का एक्सपोर्ट बंद किया।

बताया गया कि ये भारत के उस फैसले का बदला है जिसमें भारत ने बांग्लादेश से फिनिश्ड जूट गुड्स का इंपोर्ट बंद किया। अब असल वजह यह है कि बांग्लादेशी मैन्युफैक्चरर्स भारत में जूट प्रोडक्ट की डंपिंग कर रहे थे बेहद सस्ते दामों पर। नतीजा भारतीय जूट प्रोडक्ट का मार्केट खत्म हो रहा था। भारतीय मिल्स घाटे में जा रही थी। लाखों वर्कर्स की नौकरी खतरे में थी। इसी मजबूरी में भारत को फिनिश जूट गुड्स पर रोक लगानी पड़ी। यानी जब कोई व्यापार के नाम पर वार करे, तब जवाब भी व्यापार से दिया जाता है।

बांग्लादेश से रॉ जूट सप्लाई बंद होते ही भारतीय मिल्स को महंगी भारतीय जूट पर जाना पड़ा। प्रोडक्शन कॉस्ट कई गुना बढ़ गई। कई फैक्ट्रियों में उत्पादन घट गया। नतीजा लाखों जूट वर्कर्स की नौकरियां खतरे में आ गई। हालांकि यह सच है कि यह सप्लाई शॉर्ट टर्म में रुकी है। लंबे समय में इंडस्ट्री भारतीय जूट पर शिफ्ट होगी। भारत बांग्लादेश से ज्यादा जूट पैदा करता है, बेहतर तकनीक रखता है, फिर भारत बांग्लादेशी कीमतों को मैच क्यों नहीं कर रहा है? यही आता है सब्सिडी और नीति का खेल। बांग्लादेश सरकार जूट किसानों को भारी सब्सिडी देती है। लॉजिस्टिक में छूट एक्सपोर्ट इंसेंटिव देती है। भारत का मानना है कि सिर्फ जूट बीज नहीं बल्कि उन सभी क्रिटिकल सप्लाई चेन्स पर भारत को एक्शन लेना चाहिए जिनसे बांग्लादेश की इकॉनमी चलती है।

अरावली पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, केंद्र और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री की भूमिका उजागर करता

-कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बोला हमला

नई दिल्ली। अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिभाषा को लेकर चल रहे विवाद पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने केंद्र और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश ने पर्यावरण मंत्री की भूमिका को उजागर किया है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पर्यावरण मंत्री अरावली की पुनर्परिभाषा के मुद्दे पर उन पर और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर राजनीति करने के आरोप लगा रहे थे, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट में सच्चाई सामने आ गई है।

कांग्रेस नेता रमेश के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र द्वारा आगे बढ़ाई जा रही अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा पर रोक लगा दी है। रमेश ने आरोप

लगाया कि केंद्र अरावली जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करने पर आमादा है, जबकि यह क्षेत्र दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और खासतौर पर राजस्थान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के 19 जिले अरावली से सीधे जुड़े हैं और खुद पर्यावरण मंत्री भी इसी क्षेत्र से आते हैं।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि पर्यावरण मंत्री एक ओर सरिस्का अभ्यारण्य में बाघों के महत्वपूर्ण आवास की सीमाओं को फिर से निर्धारित करने में लगे हैं और दूसरी ओर अरावली को लेकर गहलोत और उनके खिलाफ राजनीति करने का आरोप लगा रहे थे। रमेश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अब यह साफ हो गया है कि केंद्र सरकार की दलीलें टिक नहीं पाईं।

इस बीच, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि 20 नवंबर को दिए उस आदेश को स्थगित करना बेहद राहत भरा है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली पहाड़ियों और अरावली पर्वतमाला की परिभाषा को स्वीकार किया था। गहलोत ने कहा कि चार राज्यों की जनता ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लोग इस मुद्दे पर चिंतित हैं और विभिन्न रूपों में विरोध जता चुके हैं।

चीन की हरकत देख भारत हिमालय पर सड़क, सुरंग और हवाई पट्टियों का कर रहा निर्माण

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन की हरकतों को देख भारत भविष्य के टकराव को देखते हुए हिमालय में अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत कर रहा है। इसके लिए भारत सड़कों, सुरंगों और हवाई पट्टियों के निर्माण पर करोड़ों डॉलर खर्च कर रहा है। यह कदम 2020 में चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुई घातक झड़प के बाद उठाया गया। उस झड़प ने 2200 मील लंबी विवादित सीमा पर भारत की सामान पहुंचाने की व्यवस्था बड़ी कमियों को उजागर कर दिया था।

एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन दशकों से अपनी सीमावर्ती इलाकों में रेल और सड़कों का एक बड़ा नेटवर्क बना चुका है, लेकिन भारत अपने पहाड़ी सीमावर्ती इलाकों में सैनिकों को तेजी से पहुंचाने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे के निर्माण में पीछे रह गया था। 2020 की झड़प में 14,000 फीट की ऊंचाई पर भारतीय और चीनी सैनिक डंडों और कांटेदार तारों से लिपटे क्लबों से

-यह कदम 2020 में चीन के साथ एलएसी पर हुई घातक झड़प के बाद उठाया गया

हाथापाई कर रहे थे। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन अपने सैनिकों को कुछ ही घंटों में वहां पहुंचा सकता था, जबकि भारत को उस इलाके में अतिरिक्त सैनिकों को पहुंचाने में एक हफ्ते तक का समय लग सकता था।

रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व मेजर जनरल अमृतपाल सिंह लद्दाख में भारत-चीन सीमा के एक अहम हिस्से के पूर्व चीफ ऑफ ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स थे। उन्होंने एक बड़े बदलाव की बात कही। उन्होंने बताया कि यह सोच में एक बहुत बड़ा परिवर्तन था। उन्हें यह अहसास हुआ कि उन्हें अपने पूरे नजरिए को बदलने की जरूरत है। यह बदलाव सीमा पर भारत की रणनीति और तैयारियों को लेकर था। भारत के नॉर्दर्न कमांड के पूर्व कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि इन परियोजनाओं का एक मकसद ऊंचाई वाले सैन्य चौकियों को अलग-थलग पड़े नागरिक बस्तियों से जोड़ना है, खासकर उन जगहों को जो कड़ाके की सर्दी में कट जाती हैं। सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक जोजिला सुरंग है, जिसे उत्तरी भारत के पहाड़ों में करीब 11,500 फीट की ऊंचाई पर बनाया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक 750 मिलियन डॉलर से ज्यादा की इस सुरंग पर काम 2020 की सीमा झड़प के तुरंत बाद शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि करीब 9 मील लंबी यह परियोजना, जिसके दो साल में पूरा होने की उम्मीद है, लद्दाख में सीमा चौकियों तक सामान पहुंचाने के मुश्किल काम को आसान बना देगी। लद्दाख में भारी बर्फबारी के कारण ये चौकियां साल में 6 महीने तक कटी रह सकती हैं।

फिलहाल सामान ट्रकों या ट्रेनों से जम्मू और कश्मीर के पड़ोसी डिपो तक पहुंचाया जाता है। वहां से काफिले उन्हें लद्दाख की राजधानी लेह तक ले जाते हैं। लेह से छोटी गाड़ियां खराब रास्तों से गुजरती हैं और फिर पोर्टर और खच्चर समुद्र तल से 20,000 फीट ऊपर तक जरूरी सामान पहुंचाते हैं।

रिपोर्ट में बताया कि यह हर साल नियमित रूप से किया जाने वाला एक बहुत बड़ा लॉजिस्टिक्स का काम है। हर सैनिक को हर महीने करीब 220 पाउंड यानी करीब 100 किलो सामान की जरूरत होती है, जिसमें खाना, कपड़े और टूथपेस्ट जैसी रोजमर्रा की चीजें शामिल हैं। 30 सैनिकों वाली एक सामान्य चौकी, जिसमें पहरेदार चौकियां और बैरक शामिल हैं, हर दिन करीब 13 गैलन ईंधन की खपत करती है। जोजिला सुरंग यात्रा के समय को कई घंटों तक कम कर देगी और साल भर सामान की

आवाजाही संभव बनाएगी। 1000 से ज्यादा निर्माण श्रमिक अत्यधिक ठंड में काम कर रहे हैं, जहां तापमान माइनस 40 डिग्री फारेनहाइट तक गिर सकता है। यहां एक बड़ी इंजीनियरिंग चुनौती श्रमिकों और बाद में डीजल से चलने वाली सेना की ट्रकों के लिए पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखना है। यह सब दिखाता है कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर कितना गंभीर है और चीन के साथ किसी भी टकराव के लिए खुद को तैयार कर रहा है। पहाड़ी इलाकों में बुनियादी ढांचे का विकास सैनिकों को तेजी से पहुंचाने और उन्हें जरूरी सामान उपलब्ध कराने में मदद करेगा, जो पहले एक बड़ी चुनौती थी।

वामिका गब्बी ने बदलते सिनेमा पर खुलकर की बात, कहा- अब फिल्मों को चिल्लाने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली. वामिका गब्बी बॉलीवुड की पॉपुलर हीरोइन हैं. उन्होंने कइ फिल्मों और सीरीज में अपने हुनर का जलवा बिखेरा है. वामिका गब्बी का कहना है कि पिछले कुछ दशकों में भारतीय सिनेमा में बड़ा बदलाव आया है. दर्शक अब बारीकियों को समझने लगे हैं. वामिका ने बताया कि अब कहानी कहने को वह सम्मान और जगह मिल रही है, जिसकी वह हकदार थी. बातचीत में वामिका गब्बी ने 21वीं सदी की पहली तिमाही खत्म होने पर समकालीन सिनेमा की तारीफ करते हुए कहा, 'अब शांत और बारीक कहानियां भी दर्शकों तक पहुंच रही हैं, जिन्हें असर डालने के लिए जोर-जोर से चिल्लाने की जरूरत नहीं पड़ती. मेरे लिए सबसे बड़ी बात यह है कि कहानी कहने को कितनी जगह मिली है. पिछले कुछ दशकों ने शांत कहानियों, कमजोर किरदारों और ऐसी भावनाओं को जगह दी है, जिन्हें सुनाने के लिए चिल्लाना नहीं पड़ता.'

वामिका गब्बी का कहना है कि आज का भारतीय सिनेमा पहले से ज्यादा समावेशी और संवेदनशील हो गया है. वह मानती हैं कि आने वाले समय में यह और भी बेहतर होगा, क्योंकि दर्शक अब गहरी और बारीक कहानियों को सराहने लगे हैं. सिनेमा अब मनोरंजन तक सीमित नहीं है.

कार्तिक आर्यन-अनन्या की फिल्म 3 दिन में बजट का कितना हिस्सा निकाल पाई? जानें

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को क्रिसमस के मौके पर रिलीज किया गया था. 25 दिसंबर को रिलीज हुई इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म को आज बॉक्स ऑफिस पर 3 दिन हो चुके हैं. फिल्म 'धुरंधर' और 'अवतार 3' जैसी बंपर कलेक्शन कर रही फिल्मों के बीच में बहुत दर्शक तो नहीं बटोर पा रही, लेकिन फिर भी ठीकठाक कमाई कर ले रही है. तो चलिए जान लेते हैं कि फिल्म ने अब तक कितनी कमाई कर ली है. फिल्म ने ओपनिंग डे पर 7.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. दूसरे दिन की कमाई घट गई और ये 5.25 करोड़ रुपये पर आकर रुक गई. हालांकि, तीसरे दिन यानी आज 9:10 बजे तक 4.01 करोड़ रुपये कमाते हुए फिल्म टोटल 17.01 करोड़ रुपये बटोर चुकी है. बता दें कि सैक्निल्क पर उपलब्ध आज का डेटा फाइनल नहीं है. इसमें बदलाव हो सकता है. फिल्म का बजट सैक्निल्क के मुताबिक 90 करोड़ रुपये है और इसकी दो दिनों की वर्ल्डवाइड कमाई 17.50 करोड़ रुपये हो चुकी है. अगर इसमें आज का घरेलू कलेक्शन भी जोड़ लें तो फिल्म ने अपने बजट का 25 प्रतिशत यानी एक चौथाई हिस्सा निकाल चुकी है.

तमन्ना भाटिया ने गूगल पर मचाई सनसनी...

सबसे ज्यादा की गई सर्च, इन हसीनाओं का नाम भी शामिल

वायरल गानों, हिट फिल्मों और जबरदस्त लोकप्रियता के दम पर इन टॉप 5 भारतीय एक्ट्रेसेस ने न सिर्फ सिनेमा में बल्कि गूगल सर्च में भी राज किया। देशभर के लोग उनकी हर नई खबर जानने के लिए इंटरनेट पर उन्हें बार-बार खोजते रहे। इससे साफ है कि उनकी लोकप्रियता अब सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है। आइए जानते हैं गूगल इंडिया की पांच सबसे ज्यादा सर्च की गई एक्ट्रेसेस कौन सी हैं। तमन्ना भाटिया इस साल गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली एक्ट्रेस रहीं। लगभग 25 प्रतिशत लोगों ने उन्हें सर्च किया। साल 2025 उनके लिए बहुत खास रहा। गफूर और नशा जैसे गानों, डिजिटल मंच की श्रृंखला डू यू वाना पार्टनर और फि ल्म ओडेला 2 की वजह से वह लगातार चर्चा में रहीं। उनकी हर मौजूदगी लोगों की नजर में रही।

आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं श्रद्धा कपूर, पापा शक्ति कपूर का खुलासा... दिया करारा जवाब!

बॉलीवुड में अक्सर एक्ट्रेसेस की तुलना की खबरें आती रहती हैं। अक्सर कहा जाता है कि इस दो एक्ट्रेसेस के बीच नंबर वन बनने की रेस लगी रहती है। श्रद्धा कपूर और आलिया भट्ट ये वो दो हीरोइनें हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में कदम लगभग एक साथ ही रखा था लेकिन ये डिबेट अक्सर होती है कि आलिया को ज्यादा मौके दिए गए और श्रद्धा को कहीं ना कहीं साइडलाइन करने की कोशिश की गई। अब लीजिए इस पर श्रद्धा कपूर के पापा शक्ति कपूर ने शॉकिंग खुलासा किया है।

आलिया से ज्यादा फीस लेती हैं श्रद्धा कपूर

दरअसल हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रद्धा कपूर के पापा ने खुलकर इस सब पर बात की है। इस बातचीत में उन्होंने बताया है कि, आलिया भट्ट भले ही ज्यादा फिल्में कर रही हों, या उन्हें ज्यादा मौके मिल रहे हों, लेकिन श्रद्धा कपूर फिर भी आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं। उन्होंने इसमें अनन्या पांडे का भी जिक्र किया है। शक्ति कपूर ने हाल ही में पॉडकास्ट द पावरफुल 'मन्स में बात करते हुए श्रद्धा को आलिया-अनन्या पांडे से कंपेयर करने पर सवाल किया गया और पूछा गया कि श्रद्धा वाकई में कम फिल्में करती हैं या उन्हें ऑफर्स कम मिलते हैं तो इस पर उन्होंने कहा कि, मैं सच कहूं तो वो फिल्में ही कम करती है। जो सबसे अच्छी होती हैं, वही फिल्म वो करती है, पर पैसा ज्यादा लेती है। इन सबसे ज्यादा पैसा लेती है।

मुंबई : महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने तुरंत एक्शन लिया; 4 आरएमसी प्लांट बंद किए, 37 अन्य पर 1.87 करोड़ का जुमार्ना लगाया

मुंबई : मुंबई में रविवार को भी हवा की क्वालिटी खराब होती रही और शहर के कई हिस्से धुंध में डूबे रहे। इसके बाद महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने तुरंत एक्शन लिया। अधिकारियों ने बढ़ते पॉल्यूशन लेवल को रोकने के लिए पॉल्यूशन फैलाने वाली यूनिट्स और कंस्ट्रक्शन साइट्स के खिलाफ सख्ती बढ़ा दी है। महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने पॉल्यूशन कंट्रोल नियमों का उल्लंघन करने पर चार रेडी मिक्स कंक्रीट प्लांट्स को बंद करने का आदेश दिया और मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के 37 दूसरे प्लांट्स से 1.87 करोड़ रुपये का जुमार्ना वसूला। यह एक्शन शहर में खराब हवा की क्वालिटी में धूल और पार्टिकुलेट मैटर की बढ़ती चिंताओं के बीच लिया गया है।

हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक,महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मेंबर सेक्रेटरी एम देवेंद्र सिंह ने कहा, ''हम शहर की हवा की क्वालिटी का रोजाना रिव्यू कर रहे हैं और यह देखने के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड बनाए हैं कि क्या जगहें तय नियमों का पालन कर रही हैं।'' सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के डेटा के मुताबिक, रविवार शाम 4 बजे मुंबई

का ओवरऑल एयर क्वालिटी इंडेक्स 132 था, लेकिन कई इलाकों में एयर क्वालिटी खराब रही। कांदिवली वेस्ट 221 एयर क्वालिटी इंडेक्स के साथ एक बड़ा हॉटस्पॉट बना, इसके बाद चेंबूर 183 और घाटकोपर 151 पर रहा। अधिकारियों ने बताया कि ज्यादातर मॉनिटरिंग स्टेशनों पर पीएम10 और ओजोन मुख्य प्रदूषक थे।

महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड अधिकारियों ने कहा कि इस हफ़्ते की शुरूआत में महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड चेयरमैन सिद्धेश कदम की अध्यक्षता में एक स्पेशल रिव्यू मीटिंग हुई थी ताकि स्थिति का आकलन किया जा सके और प्रदूषण कम करने के उपायों को मजबूत किया जा सके। महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, ''हमने मुंबई के लिए चार और नवी मुंबई के लिए दो स्पेशल इंस्पेक्शन टीमें बनाई हैं। ये टीमें इंस्पेक्शन जारी रखेंगी और नियम न मानने वाले आरएमसी प्लांट्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करेंगी।'' साथ ही, बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने भी अपनी एनफोर्समेंट ड्राइव तेज कर दी है। एडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर (ईस्टर्न सबर्ब्स) अविनाश ढकने ने के-ईस्ट और एच-ईस्ट वार्ड में बड़े कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट्स का ऑन-साइट इंस्पेक्शन किया। उनके साथ सीनियर वार्ड अधिकारी और कई सिविक डिपार्टमेंट के रिप्रेजेंटेटिव भी थे। ढकने ने कथित तौर पर कहा, ''इंस्पेक्शन के दौरान, यह पक्का करने के लिए चेक किए गए कि प्रदूषण कम करने के उपाय लागू किए गए हैं और हमारे स्टाफ को मोटिवेटेड रखा गया है।''

अनैतिक व्यापार के मामले में ब्रोकर की गिरफ्तारी; प्राथमिकी दर्ज

मुंबई : मुंबई पुलिस ने दक्षिण मुंबई के ग्रांट रोड पर एक प्रॉस्टिट्यूशन रैकेट के लिए ब्रोकर का काम करने के आरोप में 50 साल के एक आदमी को गिरफ्तार करने के बाद इमोरल ट्रैफिक (प्रिवेंशन) एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपी की पहचान मुकेश कुमार रामजी यादव (50) के रूप में हुई है। रात की पेट्रोलिंग के दौरान मिली खास जानकारी पर पुलिस ने कार्रवाई की पुलिस के मुताबिक, 27 दिसंबर की सुबह-सुबह यह कार्रवाई की गई, जब डी बी मार्ग पुलिस स्टेशन को ग्रांट रोड के पाववाला पथ पर दयानंद बिल्डिंग में चल रही प्रॉस्टिट्यूशन एक्टिविटी के बारे में खास जानकारी मिली।

डीबी मार्ग पुलिस स्टेशन की क्राइम डिटेक्शन टीम से जुड़े पुलिस कांस्टेबल मयूर महेंद्र पालावनकर ने बताया कि रात की पेट्रोलिंग ड्यूटी के दौरान, असिस्टेंट पुलिस सब-इंस्पेक्टर पवार के नेतृत्व में एक टीम ने पंच गवाहों और एक नकली ग्राहक की मदद से उस जगह पर चुपके से छापा मारा। निगरानी के दौरान, टीम ने देखा कि एक आदमी पब्लिक रोड पर खड़ा था, आने-जाने वालों को रोक रहा था और उन्हें सेक्सुअल सर्विस के लिए बिल्डिंग में जाने के लिए मना रहा था। संदिग्ध गतिविधि की पुष्टि करने के बाद, पुलिस ने एक नकली ग्राहक भेजा, जिसे संदिग्ध ने रोका और बिल्डिंग के अंदर प्रॉस्टिट्यूशन में शामिल होने के लिए उकसाया। आरोपी ने प्रॉस्टिट्यूशन रैकेट के लिए एजेंट के तौर पर काम करने की बात कबूल की।

नकली ग्राहक से पहले से तय सिग्नल मिलने पर, पुलिस टीम आगे बढ़ी और संदिग्ध को पकड़ लिया, जिसने भागने की कोशिश की लेकिन मौके पर ही पकड़ा गया। आरोपी मुकेश कुमार रामजी यादव (50), अली भाई प्रेमजी मार्ग, ग्रांट रोड का रहने वाला है, जो मूल रूप से झारखंड के हजारीबाग जिले का है। पूछताछ के दौरान, यादव ने कबूल किया कि वह दयानंद बिल्डिंग में प्रॉस्टिट्यूशन में लगी एडल्ट महिलाओं के लिए एजेंट के तौर पर काम कर रहा था। उसने कथित तौर पर ग्राहकों को उस जगह पर गाइड किया और अपने काम के लिए कमीशन कमाया, जिसका इस्तेमाल वह अपनी रोजी-रोटी के लिए करता था।

मुंबई : मोबाइल ऐप स्कैम ने मुंबई में सीनियर सिटिजन को बनाया निशाना, बुजुर्ग से ₹7 .62 लाख ठगे

मुंबई : साइबर जालसाजों ने वडाला में रहने वाले 81 साल के एक बुजुर्ग से नकली PNB Ofe.p' मोबाइल एप्लीकेशन डाउनलोड करवाकर Rs**7.62** लाख ठग लिए। पीड़ित, प्रवीणकांत अमृतलाल शाह, कथित तौर पर साइबर क्रिमिनल्स के पंजाब नेशनल बैंक **(**PNB**)** कस्टमर केयर अधिकारी बनकर ठगे गए। रफी अहमद किदवई मार्ग पुलिस स्टेशन में अनजान लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है, और आगे की जांच चल रही है। ऑफिशियल ऐप एक्सेस करने में दिक्कत होने पर पीड़ित को नकली कस्टमर केयर नंबर मिला

FIR के मुताबिक, शाह, जो वडाला में

अपने परिवार के साथ रहते हैं और स्काईवे इंफ्रा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में कंसल्टेंट के तौर पर काम करते हैं, को 17 दिसंबर, 2025 की सुबह ऑफिशियल PNB मोबाइल एप्लीकेशन एक्सेस करने में दिक्कत हुई। PNB कस्टमर केयर के लिए ऑनलाइन सर्च करते समय, उन्होंने गूगल पर दिए गए नंबरों में से एक पर कॉन्टैक्ट किया। कॉल करने वाले ने खुद को PNB कस्टमर केयर रिप्रेजेंटेटिव बताकर शाह से उनकी यूजर क्क्ष पासवर्ड, डेबिट कार्ड डिटेल्स और Apple ID जैसी सेंसिटिव बैंकिंग डिटेल्स शेयर करने के लिए कहा। फ्रॉड करने वाले ने उन्हें कुछ खास नंबरों पर कॉल और रटर फॉरवर्डिंग चालू करने के लिए भी कहा। बाद में, WhtsApp वीडियो कॉल के जरिए, शाह से PNB ONE.p' नाम की एक APK फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा गया, जो बैंक के ऑफिशियल ऐप की तरह काम करती दिख रही थी।

वैलिड लाइसेंस के बिना चल रहा था पब; 52 लोगों पर मामला दर्ज

मुंबई : महाराष्ट्र स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट, पुणे ने शनिवार को विमाननगर के एक पब में चल रही गैर-कानूनी नाइट पार्टी पर बड़ी रेड मारी, जिसमें पब ऑपरेटर, स्टाफ और कस्टमर समेत 52 लोगों पर केस दर्ज किया गया। रेड के दौरान, अधिकारियों को पता चला कि पब स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट से जारी वैलिड लाइसेंस के बिना चल रहा था। एक टिप-ऑफ पर कार्रवाई करते हुए, पुणे के स्टेट एक्साइज के सुपरिटेंडेंट अतुल कनाडे की टीम ने सुबह करीब 5 बजे एयरपोर्ट रोड पर एक जगह पर रेड मारी। रेड के दौरान, अधिकारियों को पता चला कि पब स्टेट एक्साइज डिपार्टमेंट से जारी वैलिड लाइसेंस के बिना चल रहा था।कनाडे ने कहा, ''पब में बिना जरूरी लाइसेंस के गैर-कानूनी तरीके से पार्टी हो रही थी। हमने मौके पर मौजूद 52 लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है, जिनमें 42 कस्टमर भी शामिल हैं।

एक्साइज डिपार्टमेंट के मुताबिक, दो आरोपी मैनेजरों को कोर्ट में पेश किया गया और उन्हें ज्यूडिशियल कस्टडी में भेज दिया गया। मुख्य आरोपी, जिसकी पहचान पब के मालिक अमरजीत सिंह के तौर पर हुई है, अभी फरार है।रेड के दौरान, एक्साइज टीम ने कथित तौर पर गैर-कानूनी बिक्री के लिए रखी गई विदेशी शराब की 178 बोतलें जब्त कीं। अधिकारियों ने पार्टी होस्ट करने के लिए इस्तेमाल किए गए फर्नीचर और सामान भी जब्त किए, जिसमें कुर्सियाँ, सोफे, लकड़ी की टेबल, साउंड सिस्टम, स्पीकर, एक लैपटॉप, एक कंप्यूटर, कांच के बर्तन और एक फॉग मशीन शामिल हैं। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत ₹3.67 लाख आंकी गई है।कनाडे ने कहा कि यह रेड नए साल के जश्न से पहले कड़ी कार्रवाई का हिस्सा थी, जब शहर भर में कई रात की पार्टियाँ ऑर्गनाइज की जाती हैं, जिनमें से कुछ में एक्साइज नियमों का उल्लंघन होता है।

उन्होंने कहा, ''हर साल, साल के आखिर में, हमें बिना इजाजत के पार्टियों के होने की जानकारी मिलती है। कानून तोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख़्त कार्रवाई की जाएगी।''गैर-कानूनी शराब बनाने, ट्रांसपोर्ट करने, बेचने और बिना लाइसेंस वाली पार्टियों पर रोक लगाने के लिए, राज्य एक्साइज डिपार्टमेंट ने पुणे में 21 फ़्लाइंग स्क्वॉड बनाए हैं। इन स्क्वॉड को सेंसिटिव इलाकों में सरप्राइज चेकिंग और रेड करने के लिए तैनात किया गया है।कनाडे ने कहा, ''हमारे फ्लाइंग स्क्वॉड शहर पर एक्टिवली नजर रख रहे हैं, खासकर 31 दिसंबर से पहले। एक्साइज नियमों को तोड़ने वालों के साथ कोई नरमी नहीं दिखाई जाएगी।''

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com